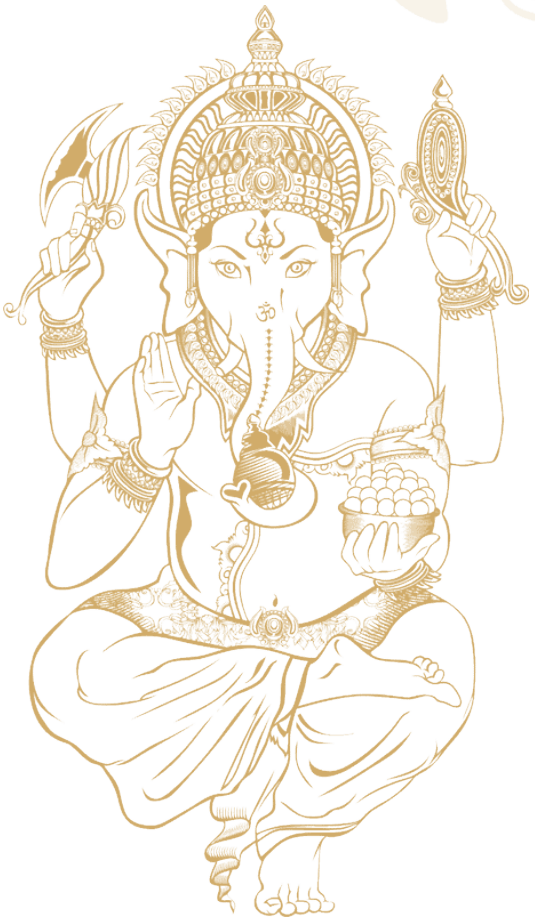

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121684702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18-19/09/1986	जन्म तिथि	29/09/1990
गुरु-शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 00:32:00	जन्म समय	22:25:00 घंटे
घटी 45:49:28	जन्म समय(घटी)	40:15:45 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Pathankot
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	32:16:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	75:43:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:27:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:12	सूर्योदय	06:19:31
18:27:37	सूर्यास्त	18:15:09
23:40:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:54

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 11वर्ष 2मा 18दि		18:40:08	मिथु	लग्न	मिथु	00:14:47	चन्द्र 8वर्ष 5मा 22दि	
शुक्र		01:53:38	कन्या	सूर्य	कन्या	12:33:36	गुरु	
06/12/2021		08:47:45	मीन	चंद्र	मक	12:01:38	23/03/2024	
06/12/2041		26:26:15	धनु	मंगल	वृष	17:49:40	23/03/2040	
शुक्र	07/04/2025	12:38:31	कन्या	बुध	सिंह	26:21:31	गुरु	11/05/2026
सूर्य	07/04/2026	23:09:02	कुंभ व	गुरु	कर्क	14:21:49	शनि	21/11/2028
चन्द्र	07/12/2027	15:27:28	तुला	शुक्र	कन्या	04:01:13	बुध	27/02/2031
मंगल	05/02/2029	10:49:24	वृश्चि	शनि	धनु	25:00:28	केतु	03/02/2032
राहु	06/02/2032	27:17:02	मीन व	राहु व	मक	11:43:26	शुक्र	04/10/2034
गुरु	07/10/2034	27:17:02	कन्या व	केतु व	कर्क	11:43:26	सूर्य	23/07/2035
शनि	06/12/2037	24:53:36	वृश्चि	हर्ष	धनु	11:57:51	चन्द्र	21/11/2036
बुध	06/10/2040	09:22:25	धनु	नेप	धनु	18:04:33	मंगल	28/10/2037
केतु	06/12/2041	12:01:24	तुला	प्लूटो	तुला	22:23:53	राहु	23/03/2040

लग्न-चलित

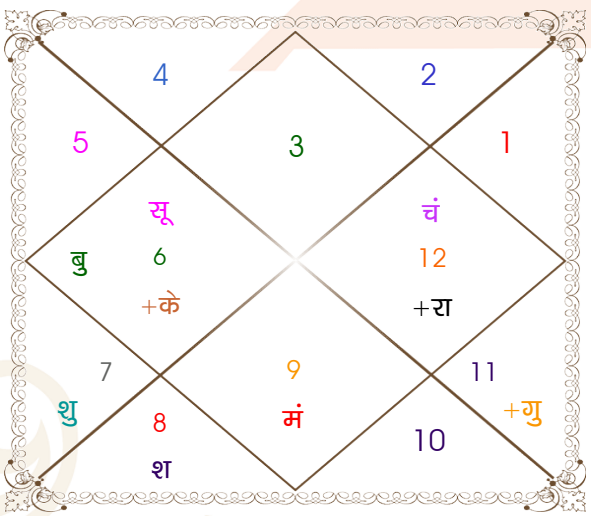

लग्न-चलित

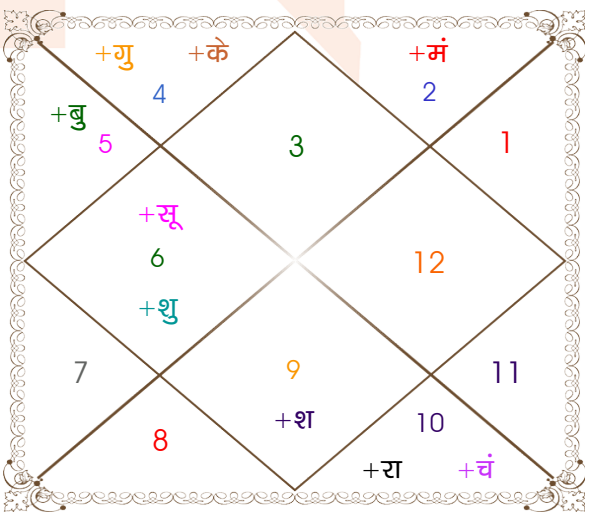

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।